Journalists approached to BapuJi on Meeting with Subramanian Swamy

23-04-2015, Jodhpur.

Journalist(s)– बापूजी, आज सुब्रमनियम स्वामी आपसे मिलने आ रहे है ?

BapuJi – सुब्रमनियम स्वामी आ रहे हैं, शाबाश है, धन्यवाद है | वो मुझे जानते हैं, मै भी उनकी सज्जनता जानता हूँ | रुपये-पैसों के वकील नहीं हैं वो | सेवाभाव से आते हैं | धन्यवाद....

Journalist(s) – तो, उनसे कोई आशा है आपको ?

BapuJi – मेरेको तो इश्वर से आशा है, इश्वर के प्यारों से भी आशा है | तुम्हारे से भी आशा है |

Journalist(s)– मोदीजी का सन्देश लेकर आ रहे हैं, बापू ?

BapuJi – मोदीजी का सन्देश नहीं लेकर आयेंगे |
यहाँ पर तोड़-मरोड़ मत करो |

सच्चाई की मांग है | मेरा कसूर होगा तो मुझे बोलने में देर नहीं करेंगे | और बोगस होगा तो बोगस बोलने में भी देर नहीं करेंगे |

Journalist(s) – कितना टाइम अभी और लगेगा |

BapuJi – देखो, हजाम अपने बाल नहीं काटता, डॉक्टर अपना इलाज नहीं करता, वकील अपना केस नहीं लड़ता, संत अपने लिए नहीं करते |

Journalist(s) – भरोसा है किसी पे ?

BapuJi – भरोसा है, तुम्हारे बाप पर | तुम्हारा बाप वो ही है | सबका...

Journalist(s) : जेल में जेलर सख्ती कर रहा है क्या ?

BapuJi – देखो सबका भला हो | और सुब्रमनियम स्वामी सच्चाई के पक्ष में हैं, इस बात कि मुझे खुशी है | कितना भी बड़ा आदमी है, उसके सामने खड़े हो जायेंगे, अगर गडबड करता

है तो, देश के अहित में करता है तो | और कितने भी कोने में हो, बदनामी के पहाड हमपर लदे हैं, फिर भी बिना बुलाये आ रहे हैं, उनकी सज्जनता है |

Journalist(s) : कहीं न कहीं मन में तो होगा न, लेट आ रहे हैं, जल्दी आ रहे हैं | क्या उम्मीद जगी है आपको ?

BapuJi – मेरेको तो उम्मीद, वोही जगी है .....बता दूं ?

Journalist(s) : बताओ, बापू अच्छे दिन आपके आयेंगे तो ?

BapuJi – मेरा बुरा दिन कभी आया ही नहीं |

Journalist(s) : तो फिर आपकी मन कि बात है वो बता ही दो |

BapuJi – मन की बात मोदी भी बताते हैं, लेकिन हम भी बताएँगे |
मन की बात ये है की परिस्थिति कैसी भी आये, आप सत्बुद्धि मत करो | सत् तुम्हारा आत्मा है | अमर है, चैतन्य है | किसी का बुरा सोचो मत, किसी का बुरा चाहो मत | किसीका बुरा करो मत | बदले में तुम्हे जो भी मिले, हँसते-हँसते उसके सर पर पैर रखकर मुक्त आत्मा हो जाओ, महान आत्मा हो जाओ |